(ख) क्या उत्तर प्रदेश में कानपुर और लखनऊ की एच. डी. एम. पाइपलाइन द्वारा गैस की आपूर्ति किये जाने संबंधी कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा तेल की खोज

674. **श्री राम नरेश यादव** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष के दौरान इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा तेल की खोज का काम शुरू किये जाने का क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या इन क्षेत्रों में पर्याप्त तेल मिलने की संभावना है; यदि हां, तो सरकार ने अधिक तेल निकालने के लिए कौन-कौन से साधन अपनाये हैं; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान तेल के कितने कुओं की खुदाई की गई और उनका ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) इंडियन आयल कारपोरेशन तेल और गैस की खोज नहीं करता है।

(ख) और (ग) उपर्युक्त (क) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

रसोई गैस का उत्पादन

675. **श्री राम नरेश यादव** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने रसोई गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई नई योजना तैयार की है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार चालू पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान इसे कार्यान्वित करने का विचार रखती है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) देशी स्रोतों से एल० पी० जी० का उत्पादन वर्ष 1992–93 के 2278 टी एम टी पी ए से बढ़कर वर्ष 1996–97 में 3897 टी एम टी पी ए हो जाने की संभावना है। वर्ष 1999–2000 में इसके पुनः बढ़कर 4275 टी एम टी पी ए हो जाने की संभावना है उपर्युक्त वर्तमान देशी उपलब्धता की प्राप्ति वर्तमान स्रोतों की क्षमता में वृद्धि और नये उत्पादन स्रोतों के चालू होने से ही होगी।

मध्य प्रदेश में तेल और प्राकृतिक गैस के लिए सर्वेक्षण

676. **श्री शिव प्रसाद जनपुरिया** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में तेल और प्राकृतिक गैस की खोज के लिए किन किन स्थानों पर सर्वेक्षण किया गया है और उसके क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं ;

(ख) क्या नर्मदा, बेनगंगा और सोन नदियों के कछार तथा सतपुड़ा और विन्ध्याचल पर्वतमाला की तराईयों में इस हेतु सर्वेक्षण कराये जाने का कोई प्रस्ताव है; और

(ग) क्या झाबुआ–मंडला, छिंदवाड़ा और सरगुजा जिलों के पर्वतीय अंचलों में तेल और प्राकृतिक गैस होने की संभावना को देखते हुए इन जिलों में व्यापक सर्वेक्षण करवाया जाएगा ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने 1.4.92 की यथास्थिति को मध्य प्रदेश में पडने वाले विंध्य, सतपुडा और दक्षिणी रीवा बेसिन में भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराया है। तेल और प्राकृतिक गैस होने का अब तक कोई पता नही चला है।

(ख) जी हां।

(ग) दक्षिणी रीवा बेसिन के पहाडी इलाकों में भू-वैज्ञानिक भूकंपीय सर्वेक्षणों की योजना बनाई जाती है, जो सरगुजा और उसके निकटस्थ जिलों के भागों को कवर करती है।

Output of natural gas and its utilisation

677. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the Minister of PETROLEUM & NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the cumulative output/actual utilisation of gas during the Seventh Five Year Plan and that during the current Five Year Plan period; and

(b) how it is being utilised and by when the flaring of gas is likely to be completely eliminated?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) During the Seventh Plan period, the production of natural gas was approximately 60 billion cubic metres of which approximately 40 billion cu. meters was utilised. In the Eighth Plan period, it is estimated that approximately 130 billion cu. metres of gas would be produced of which approximately 116 billion cu. metres would be utilised.

(b) The gas is being utilised by down-stream users for manufacture of LPG and internal use. Gas flaring is expected to be reduced to technical levels by 1995 in the Western off-shore region, by 1996 in Gujarat region and by 1994 in the Southern Region. In the Eastern region it is dependent on the setting up of units to whom gas has been allotted and the offtake of gas by consumers.

678. [*Transferred to the 23rd July, 1992*].

कांगड़ा में तेल और प्राकृतिक गस आयोग द्वारा सर्वेक्षण

679. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश में कांगडा जिले के ज्वालामुखी क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों के दौरान तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा किये जा रहे सर्वेक्षण कार्य की अद्यतन स्थिति क्या है;

(ख) अब तक किये गये सर्वेक्षण कार्य के क्या परिणाम निकले हैं;

(ग) अब तक इस कार्य पर कितनी धनराशि व्यय की गयी है; और

(घ) यह सर्वेक्षण कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (घ) 1982–83 फिल्ड सीजन के बाद इस क्षेत्र में कोई सर्वेक्षण कार्य नहीं किया गया है। तथापि वर्ष 1982–83 से पूर्व हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के ज्वालामुखी क्षेत्र और इसके आसपास 14 जी एल के भू-कंपीय परावर्तन सर्वेक्षण 723 जी एल के भूकंपीय अपवर्तन सर्वेक्षण 642.33 एस एल के भूकंपीय परावर्तन सर्वेक्षण किए गए। इन सर्वेक्षणो के आधार पर कोई वाणिजिक हाइड्रोकार्बन प्राप्त हुए बिना 7 अन्वेषी गहरे कुएं और 5 संरचनात्मक कूप खोदे गए हैं। चन्गरतलाई में एक कूप की ड्रिलिंग की जा रही है। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों पर 4.82 करोड़ रुपए की राशि खर्च की गई है।